ऊँचे ऊँचे पर्वत पे मईया का बसेरा है- नया संस्करण

ऊँचे ऊँचे पर्वत पे मईया का बसेरा है
(जय जय माँ*, जय माँ, जय माँ, जय माँ ॥)

ऊँचे ऊँचे पर्वत पे, मईया का बसेरा है।
मतलब की दुनियाँ में, सच्चा प्रेम तेरा है ॥

अपनी सारी जिंदगी, हमने तेरे नाम कर दी।
खुशियाँ या ग़म देना, अम्बे माँ तेरी मर्जी ॥
तूँ जो चाहे शाम, चाहे तो सवेरा है।
मतलब की दुनियाँ में, सच्चा प्रेम तेरा है।
ऊँचे ऊँचे पर्वत पे, मईया का बसेरा है,,,

सूरत नैनो में बसा, अखियाँ मैं बंद कर लूँ।
देवी मईया तुझसे, बाते मैं चंद कर लूँ ॥
देखूं तुझे जी भरके, यही ख्वाब मेरा है।
मतलब की दुनियाँ में सच्चा प्रेम तेरा है।
ऊँचे ऊँचे पर्वत पे, मईया का बसेरा है,,,

रोते रोते जो चाहें, मुस्काने ले जाते है।
खोया जो जीवन में, सुख सारे पाते है ॥
कटे तेरी, कृपा से माँ, दुखों का ये घेरा है।
मतलब की दुनियाँ में सच्चा प्रेम तेरा है।
ऊँचे ऊँचे पर्वत पे, मईया का बसेरा है,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34612/title/uche-uche-parbat-pe-maiya-ka-basera-hai--new-edition

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |